b&l ekpkj i=

प्रज्ञान

';okvksa dk eap'

सप्ताह का विचार

जब लोग तुम्हे गाली दें तो तुम उन्हें आशीर्वाद दो। सोचो, तुम्हारे झूठे दंभ को बाहर निकालकर वो तुम्हारी कितनी मदद कर रहे हैं।

–स्वामी विवेकानंद

fnukad 11 tqykbZ 2016 ¼lkIrkfgd½ o"kZ 1] vad 14

समसामयिकी

- केरल सरकार ने जंक फूड पर 14.5 प्रतिशत का फैट टैक्स लगाया।
- दक्षिण अफ्रीका और भारत ने सीईओ मंच में आठ समझौतों पर हस्ताक्षर किए।
- केंद्र सरकार स्वच्छ भारत मिशन के तहत दस प्रसिद्ध स्थलों की सफाई कराएगी।
- केंद्र सरकार ने कृषि विज्ञान केंद्र पोर्टल का शुभारंभ किया।
- भारत व मोजांबिक ने नशीले पदार्थों की तस्करी, दालों के उत्पादन तथा व्यापार और खेल क्षेत्र में तीन समझौतों पर हस्ताक्षर किए।
- परषोत्तम रूपाला ने कृषि और किसान कल्याण राज्यमंत्री के रूप में पद भार ग्रहण किया।
- भारत ने नाइजीरिया में एक परिधान प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किया।
- भारतीय रेलवे ने डीईएमयू रेलगाड़ियों हेतु पहला वातानुकूलित कोच विकसित किया।
- इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर नासिर हुसैन का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया।
- डिजिटल अर्थव्यवस्था हेतु तैयारियों की सूची में भारत का 91वें स्थान।
- अमेरिका ने मानवाधिकारों के हनन के लिए उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन पर प्रतिबंध लगाया।

सुमित बंसल को प्रशस्ति पत्र भेंट करते कुलपति डा. एन.के. आहूजा, पत्रकारिता विभाग के डीन डा. धर्मेंद्र सिंह व शिक्षकगण।

इंटर यूनिवर्सिटी यूथ फेस्टिवल में सुमित बंसल ने बाजी मारी

सुभारतीपुरम : स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय के सुभारती पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के छात्र सुमित बंसल ने पिछले दिनों पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, लुधियाना में आयोजित इंटर यूनिवर्सिटी यूथ फेस्टिवल में फोटोग्राफी में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। शुक्रवार को विश्वविद्यालय के कुलपति डा. एनके आहूजा ने छात्र को सम्मानित किया।

डा. आहूजा ने कहा कि 40 से अधिक विश्वविद्यालयों के बीच होने वाले इस आयोजन में सुभारती विवि के छात्र का विजयी होना गर्व की बात है। उन्होंने छात्र को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारे छात्र प्रतिभा के मामले में किसी से पीछे नहीं हैं और समय–समय पर उनकी उपलब्धियां उनके हुनर को साबित करती रहती हैं। पत्रकारिता संकाय के डीन डा. धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि पत्रकारिता के छात्र प्रत्येक क्षेत्र में अपने आप को साबित कर रहे हैं। विभाग के छात्र–छात्राओं ने पिछले कुछ समय में कई राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लिया और विश्वविद्यालय का परचम लहराया है। इस मौके पर उपप्राचार्य डा. नीरज कर्ण सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर अरविन्द कुमार, दीपा रानी, प्रियंका गौतम, सुरेंद्र कुमार, गुंजन शर्मा व राकेश कुमार ने सुमित बंसल को शुभकामनाएं दीं।

17 जुलाई को होगी एस–नेट की दूसरी परीक्षा

सुभारतीपुरम : स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय 17 जुलाई को दूसरी एस–नेट परीक्षा आयोजित करने जा रहा है। इस परीक्षा को उत्तीर्ण कर छात्र–छात्राएं विश्वविद्यालय के 18 कालेजों के विभिन्न स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में भाग ले सकते हैं। परीक्षा के दिन छात्रों और उनके अभिभावकों के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन भी किया जाएगा जिसमें उन्हें विश्वविद्यालय की विशेषताओं और सुविधाओं से अवगत कराया जाएगा।

पूरी मानवजाति को प्रभावित कर रहा आतंकवाद

समर खान

भारत ढेर सारी चुनौतियों का सामना कर रहा है जैसे गरीबी, जनसंख्या वृद्धि, निरक्षरता, असमानता आदि बहुत कुछ, फिर भी आतंकवाद इन सबसे ज्यादा खतरनाक है जो पूरी मानव जाति को प्रभावित कर रहा है। ये बहुत ही डरावनी बीमारी है जो लोगों को मानसिक और बौद्धिक स्तर पर प्रभावित कर रही है। चाहे ये छोटे देशों में होता हो (आयरलैंड, इजरायल आदि) या बड़े देशों (यूएसए, रुस आदि) में, ये दोनों ही जगह चुनौती के रुप में है। अपने कुछ राजनीतिक, धार्मिक या व्यक्तिगत लक्ष्य की प्राप्ति के लिये आतंकवादी अर्थात् परेशान लोगों के समूह के द्वारा हिंसात्मक तरीकों का प्रयोग आतंकवाद है। आज ये दिनों–दिन बढ़ता ही जा रहा है।

आतंकवाद का कोई नियम कानून नहीं होता वो केवल अपनी माँगों को पूरा करने के लिये सरकार के ऊपर दबाव बनाने के साथ ही आतंक को हर जगह फैलाने के लिये निर्दोष लोगों के

समूह या समाज पर हमला करते हैं। उनकी माँगे बेहद खास होती हो, जो वो चाहते हैं केवल उसी को पूरा कराते हैं। ये मानव जाति के लिये एक बड़ा खतरा है। वो कभी–भी अपने दोस्त, परिवार, बच्चे, महिला या बूढ़े लोगों के लिये समझौता नहीं करते हैं। वो केवल लोगों की भीड़ पर बम गिराना चाहते हैं। वो लोगों पर गोलियाँ चलाते हैं, विमानों का अपहरण करते हैं और दूसरी आतंकी गति. विधियों को अंजाम देते हैं।

कम से कम समय में अपने मुख्य क्षेत्रों या देशों में आतंक फैलाने के लिये आतंकवादी लक्ष्य बनाते हैं। पूर्व में, ऐसा माना जाता है कि आतंकवादी गतिविधियाँ केवल जम्मू और कश्मीर तक ही सीमित थी लेकिन अब ये अपनी जड़ें देश के दूसरे क्षेत्रों में भी फैला रहा है। देश में अलग–अलग नामों के साथ कई सारे आतंकवादी समूह सक्रिय हैं। अपने कार्य के अनुसार राजनीतिक और आपराधिक आतंकवाद के दो मुख्य प्रकार हैं। कुछ खास लक्ष्यों को पूरा करने के लिये प्रशिक्षित लोगों का समूह है आतंकवाद। विभिन्न उद्देश्यों को पूरा करने के लिये एक से ज्यादा आतंकी समूह प्रशिक्षित किये जाते हैं। ये एक बीमारी की तरह है जो नियमित तौर पर फैल रही है और अब इसके लिये कुछ असरदार उपचार की जरुरत है।

राष्ट्र से आतंकवाद और आतंक के प्रभाव को खत्म करने के लिये, सरकार के आदेश पर कड़ी सुरक्षा का प्रबंध किया गया है। वो सभी जगह जो किसी भी वजह से भीड़–भाड़ वाली जगह होती या बन जाती है जैसे सामाजिक कार्यक्रम, राष्ट्रीय कार्यक्रम जैसे गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस, मंदिर आदि को मजबूत सुरक्षा घेरे में रखा जाता है। सभी को सुरक्षा नियमों का पालन करता पड़ता है और ऑटा. `मैटिक बॉडी स्कैनर मशीन से गुजरना पड़ता है। इस तरह के उपकरणों का इस्तेमाल करने के द्वारा सुरक्षा कर्मियों को आतंकवादी की मौजूदगी का पता लगाने में मदद मिलती है। इस तरह की कड़ी सुरक्षा प्रबंधन के बाद भी हम लोग अभी–भी आतंकवाद का खिलाफ प्रभावशाली रुप से नहीं खड़े हो पा रहें हैं।

आतंकी समूह को खत्म करने के साथ ही आतंक के खिलाफ लड़ने के लिये हर साल हमारा देश ढेर सारे पैसे खर्च करता है। एक भारतीय नागरिक के रुप में, आतंकवाद को रोकने के लिये हम सभी पूरी तरह से जिम्मेदार हैं और ये तभी रुकेगा जब हम कुछ बुरे और परेशान लोगों की लालच भरी बातों में कभी नहीं आयेंगे।

क्लिक ऑफ द वीक ***फोटोः सुमित बंसल***

संरक्षक : डा. अतुल कृष्ण (संस्थापक सुभारती विवि), डा. शल्या राज (अध्यक्ष), डा. एनके आहूजा (कुलपति सुभारती विवि) **फैकल्टी इंचार्ज** : अरविन्द कुमार **संपादकीय टीम** : समर खान (बीजेएमसी प्रथम वर्ष), सुमित कुमार झा (बीजेएमसी द्वितीय वर्ष)
फोटोग्राफी टीम : सुमित बंसल (बीजेएमसी द्वितीय वर्ष), **पेज सज्जा** : अरविन्द कुमार
(आप अपने सुझाव और प्रश्न हमारी ईमेल आईडी gsvsijmcenewsletter@gmail.com पर भेज सकते हैं। हमसे संपर्क करने के लिए डायल करें : 0121–3055017, 9456068123) ––– प्रकाशित पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा –––